राजभवन सूचना परिसर, उत्तराखण्ड
प्रेस विज्ञप्ति

'उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस' के शुभ अवसर पर उत्तराखण्ड के राज्यपाल डा0 कृष्ण कांत पाल का जनता के नाम बधाई संदेश

राजभवन देहरादून, 08 नवम्बर, 2015

उत्तराखण्ड के राज्यपाल डा0 कृष्ण कांत पाल ने प्रदेश की जनता को 16वें उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने इस पावन दिवस पर उत्तराखण्ड राज्य निर्माण आन्दोलन के ज्ञात–अज्ञात सभी आन्दोलनकारियों को भी नमन किया है।

अपने संदेश में राज्यपाल ने कहा है '' राज्य स्थापना का यह दिन अवसर प्रदान करता है जब हम कुछ क्षण के लिए रूककर अभी तक के सफर पर एक दृष्टि डालें और आने वाली मंजिलों एवं चुनौतियों के लिए योजना बनायें।

पिछले 15वर्षों में उत्तराखण्ड राज्य ने भारत के कई अन्य राज्यों की तुलना में अच्छा प्रदर्शन किया है और अपनी एक पहचान बनाई है। पिछले कुछ वर्षों में प्राकृतिक आपदाओं ने इस प्रदेश को भारी चोट पहुँचायी है, और कई मायनों में प्रदेश को विकास की दौड़ में कुछ पीछे धकेल दिया है। लेकिन जैसा कहा गया है, कठिनाईयाँ मनुष्य का गहना होती हैं। उत्तराखण्ड के लोगों ने दृढ़ ईच्छाशक्ति और साहस के साथ इन प्राकृतिक आपदाओं का सामना किया है और एक नए निर्माण का रास्ता भी बनाया है। इसके लिए मैं प्रदेश की जनता का अभिवादन करता हूँ।

किसी भी तरक्की के लिए चाहे वह व्यक्ति की हो या राज्य की, शिक्षा का सबसे अधिक महत्व है। शिक्षित समाज वर्तमान की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करने और भविष्य की योजनाएं बनाने के लिए सक्षम होता है। हमें अपने सरकारी स्कूलों को स्तरीय बनाना होगा। दूर–दराज के ग्रामीण इलाकों तक क्वालिटी एजुकेशन पहुँचाने के लिए हमें अभी बहुत ठोस कार्य करने बाकी हैं। इन स्कूलों में शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करनी आवश्यक है। स्कूली शिक्षा के साथ ही राज्य में उच्च शिक्षा तथा तकनीकि शिक्षा के लिए विश्वविद्यालयों की स्थिति सुधारने की भी आवश्यकता है। युवाओं को शिक्षा के साथ ही रोजगार परक प्रशिक्षण देने की जरूरत है। शिक्षा पर सबसे पहला अधिकार महिलाओं का होना चाहिए। शिक्षित महिलाएं पूरे परिवार को शिक्षित बनाती हैं।

किसी भी राज्य को आगे ले जाने के लिए स्वच्छ और पारदर्शी प्रशासन बेहद आवश्यक होता है। इसके लिए **'सूचना प्रौद्योगिकी'** की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। जनता से जुड़ी 'अधिकतम सेवाओं' को ऑनलाइन कनैक्टिवीटी के माध्यम से जनता तक पहुँचाना होगा। आप जानते हैं कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भी इसी काम के लिए डिजिटल इण्डिया का नारा दिया है। उत्तराखण्ड राज्य में नेशनल ई–गवर्नेंस योजना के अर्न्तगत कॉमन सर्विस सेंटर, जिन्हें देवभूमि जनसेवा केन्द्र कहा जाता है स्थापित किये गए हैं। जनता की शिकायतों की सुनवाई के लिए समाधान एवं सेवा पोर्टल भी शुरू किया गया है। यह सभी उत्साहवर्द्धक कदम हैं और हमें इन्हें पूरी मजबूती के साथ आगे बढ़ाना चाहिए जिससे स्वच्छ एवं पारदर्शी प्रशासन के एक आदर्श मॉडल को पाया जा सके।

मैंने दूर दराज के गाँवों में जाकर लोगो से काफी बातचीत की है। शिक्षा, विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी का असली फायदा तब है जब हम अपने युवाओं को रोजगार दे सके, ग्रामीण क्षेत्रों में पलायन रोक सकें और प्रदेश के दूर–दराज इलाकों में भी विकास की किरण पहुँचा सकें। इसके लिये सड़कों का निर्माण और उनका सही रखरखाव प्रान्त की उन्नति के लिए बहुत आवश्यक है। गाँव को हम इसी प्रकार से नज़दीक ला सकते हैं।

उद्योगों के अतिरिक्त पर्यटन और कृषि दो ऐसे सेक्टर हैं जिनमें प्रदेश के युवाओं, विशेष रूप से पर्वतीय जनपद के युवाओं को आगे आने की जरूरत है।

कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए केन्द्र और राज्य दोनों ही स्तरों पर प्रयास किये जा रहे हैं। आवश्यकता है युवा वर्ग को वापस अपने गांव, अपने खेतों की ओर देखने की। बेहतर प्रबन्धन और वैज्ञानिक कृषि से लाभ कमाया जा सकता है, यह संदेश, युवा पीढ़ी तक पहुँचाने की जरूरत है। विशेष रूप से हमें जड़ी–बूटियों ओर सुगंन्धित तैल युक्त पौधों की ओर ध्यान देना चाहिए ताकि उत्तराखण्ड जो आयुर्वेद का घर है, इस दिशा में और आगे बढ़ सके।

कहते हैं जहाँ साफ–सफाई होती है वहीं लक्ष्मी और सरस्वती का वास होता है। हम सभी को संकल्प लेना चाहिए कि जिससे जितना हो सके उतना योगदान वो अपने आसपास सफाई में दे। उत्तराखण्ड को भी स्वच्छ भारत मिशन में बढ़–चढ़ कर योगदान देना चाहिए।

मुझे विश्वास है कि आने वाले कुछ वर्षों में उत्तराखण्ड देश के आदर्श राज्यों में से एक होगा। लेकिन इसके लिए यहाँ के प्रत्येक नागरिक को ईमानदारी एवं कर्तव्य भावना के साथ अपनी जिम्मेदारियों को निभाना होगा। इसी से हम एक प्रगतिशील और समृद्ध उत्तराखण्ड का निर्माण कर सकेंगे।

पुनः आप सभी को राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।''

.....0.....

09 नवम्बर को सायं 6.30 से 8.00 बजे तक राजभवन आम जनता के लिए खुलेगा

सहायक निदेशक, सूचना परिसर राजभवन, उत्तराखण्ड **मो0–7055007009 टे0/फै0 0135–2756172**